

## सफलता की कहानी

### नई स्वर्णिमा

**श्रीमती गीता रानी, हरियाणा  
परियोजना: सिलाई कार्य**

यह सफलता की कहानी श्रीमती गीता रानी की है। श्रीमती गीता रानी पिछड़ी जाति से हैं और वे कुरूक्षेत्र तहसील के गाँव अटवन की रहने वाली हैं। उनके पति एक दिहाड़ी मज़दूर हैं। वे परिवार की मदद करने के उद्देश्य से ऋण लेने से पूर्व सिलाई का ही कार्य करती थीं अतः उन्हें सिलाई कार्य में पर्याप्त अनुभव भी हो गया था। किन्तु, पति-पत्नी दोनों मिलकर मुश्किल से 8000/- रूपए ही कमा पाते थे जिससे घर का खर्च पूरा होने में बड़ी कठिनाई होती थी। इसी दौरान कोरोना के समय लगे लाकडाउन के कारण कोई कार्य न मिलने से घर के हालात बहुत खराब हो गए और बच्चों की पढ़ाई भी बंद हो गई थी।

श्रीमती गीता बताती हैं कि एक दिन कुरूक्षेत्र में एक शिविर का आयोजन चल रहा था जिसे हरियाणा पिछड़ा वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम द्वारा आयोजित किया गया था। इस शिविर के माध्यम से मुझे NBCFDC की 'नई स्वर्णिमा' योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई जिसके अंतर्गत पिछड़े वर्गों की गरीब महिलाओं को बहुत ही रियायती दर ऋण सहायता प्रदान की जाती है। मैंने सिलाई यूनिट खोलने हेतु अपना ऋण आवेदन दिया और राज्य निगम द्वारा मुझे रू. 50,000/- का ऋण दिसम्बर, 2021 में प्रदान कर दिया। राज्य निगम द्वारा बहुत ही कम समय में और आसानी से मुझे यह ऋण दिया।

श्रीमती गीता आगे बताती हैं कि मैंने प्राप्त ऋण सहायता से जल्दी ही सिलाई यूनिट स्थापित कर ली। धीरे-धीरे काम अच्छा चलने लगा और आय भी अच्छी होने लगी। अब मैं प्रति माह रू. 12000/- तक कमा लेती हूँ। मेरे पास कुछ लड़कियाँ सिलाई सीखने भी आती हैं और शीघ्र वे भी अपना काम आरंभ कर सशक्त बन जाएंगी। मेरे घर का खर्च अच्छी तरह से चल रहा है। अब मेरे बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं। मेरे पास कुछ पैसे बच जाते हैं। मेरे घर-परिवार में अब खुशहाली आ गई है। श्रीमती गीता कहती हैं कि "NBCFDC और हरियाणा पिछड़ा वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम ने मेरी बड़ी सहायता की। इस सहायता के बिना मेरा परिवार गरीबी के दलदल से निकल नहीं सकता था। मैं हृदय से इनका आभार व्यक्त करती हूँ।"

\*\*\*\*\*

## **Success Story**

### **New Swarnima Yojana**

#### **Smt. Geeta Rani, Haryana Project : Tailoring Work**

I, Geeta Rani W/o Shri Anil Kumar a resident of village, Atwan tehsil and district Kurukshetra. I belong to backward caste. My husband is a labourer. The condition of our house had very bad due to the lockdown. There was no source of income. The monthly expenses of the house were not running. Even the children were not able to study.

One day, Haryana Backward Classes and Economically Weaker Sections Kalyan Nigam organized a camp in Kurukshetra, under which I came to know about the self-employment scheme of NBCFDC, which is being implemented by Haryana Backward Classes and Economically Weaker Sections Kalyan Nigam. I know the work of Tailoring, so I contacted the district office of Haryana Backward Classes and Economically Weaker Sections Welfare Corporation to open my Tailoring unit and applied for a loan under the Self-Employment Scheme. I was sanctioned a loan of Rs.50,000/- on 10.12.2021.

After that I started my Tailoring unit and my Tailoring unit started running well and income also started getting good. Before taking loan my income was Rs. 8,000/- per month which is increased of Rs.12,000/- per month. Now I am able to educate my children and the monthly household expenses are also going well. I am very thankful to NBCFDC and Haryana Backward Classes and Economically Weaker Sections Kalyan Nigam for giving the loan.

